सुख सागर टाइम्स

अक्टूबर -दिसम्बर - 2024 - अंक- 8 सुख सागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का आंतरिक प्रकाशन

इस अंक में...

- नि:शुल्क चिकित्सा शिविर
- 40 प्रतिशत आबादी...डॉ. कसार
- तनाव व मनोरोग पर पोस्टर प्रदर्शनी
- IMA-AMS SUPERCON 2024
- गायन, थाली सजावट एवं दिया मेकिंग प्रतियोगिता
- दीपावली पूजन
- ओ.टी. शुभारंभ
- डॉ. सिंघई को सम्मान
- COLLEGE VISIT - MBBS BATCH- 2024
- सूर्या मैराथन में SSMCH
- A CASE OF DELAYED SERUM SICKNESS...
- ORAL SUBMUCOUS FIBROSIS...
- सायबर क्राइम जगरूकता पर कार्यशाला
- 6 kg OVARIAN TUMOR...
- वॉलीबाल मैच
- CHRISTMAS CELEBRATION
- हैल्थ कैम्प

बरगांव में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

2 अक्टूबर

जनजाति कल्याण केन्द्र महाकौशल द्वारा डिण्डौरी मंडला में विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जबलपुर के सभी विभागों की टीम ने हिस्सेदारी की और उल्लेखनीय योगदान दिया। इस शिविर में सुख सागर मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त जबलपुर के कई अस्पताओं ने भी भागीदारी की थी। एक दिवसीय यह शिविर जिला डिण्डौरी शहपुरा के आसपास की आदिवासी आबादी को ध्यान में रखकर किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में जनजातिय महिलाओं एवं पुरूषों की स्वास्थ्य जांच की गई और स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई एवं मुफ्त दवाइयाँ वितरित की गईं।

40 प्रतिशत आबादी मानसिक रोग से जूझ रही है : डॉ. कसार

10 अक्टूबर

सुख सागर मेडिकल कॉलेज में मानसिक रोग पर सीएमई का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डीन डॉक्टर कसार ने कहा कि कुल आबादी का 40 प्रतिशत से अधिक मानसिक स्वास्थ्य के बिगड़ने से जूझ रहा है। उनका कहना था कि सभी को कभी ना कभी मानसिक तनाव हुआ है उसका प्रतिशत 80 प्रतिशत होगा। इसका सबसे बड़ा कारण मोबाइल फोन है। आपको मानसिक तनाव के कारण कई अन्य बीमारियाँ हो सकती हैं और कई अन्य बीमारियों के कारण मानसिक तनाव भी हो सकता है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में शांत रहा जा सकता है। आप सभी कोशिश करें कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहें स्थितियां आती हैं और निकल जाती हैं। मनोरोग चिकित्सक लेफ्टिनेंट कर्नल डॉक्टर अमरीश दुबे ने इस वर्ष की थीम **''कार्य स्थल पर मानसिक तनाव''** विषय पर बोलते हुए तनाव के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि एक सीमा तक तनाव प्रेरणा के लिए जरूरी होता है। जब आप बाहर सामाजिक पारिवारिक कारणों से संतुलन नही बना पाते हैं तो इसे डिस्ट्रेस की श्रेणी में रखा जा सकता है। इसे मैनेज करना बहुत कठिन नही है यदि हम कुछ स्टेप्स को फॉलो करते हैं तो आप डिस्ट्रेस से निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजना बनाएं। छोटे–छोटे कदम बढ़ाएं, छोटे अवकाश लें। अपने लिए समय निकालें। रिलेक्सिंग व्यायाम करें। दोस्तों, माता–पिता, रिश्तेदारों से बात करें । यह एक सही वेंटिलेशन होगा। अपने आपको खुद मोटिवेट करना होगा। यदि कोई नकारात्मक ख्याल आता है तो हम सोचने लगते हैं कि हम फेलियर हैं। पर जीवन में बहुत सी चीजें मिली हैं उसके बारे में सोचें। अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें। कोई भी समस्या अस्थाई है उसे देख कर स्थाई निर्णय ना लें। किसी अस्थाई समस्या में बैचेनी सामान्य है पर वह स्थिति बहुत जल्दी हल हो जाएंगी। सांस संबंधी व्यायाम इससे निकलने में आपकी मदद करते हैं। प्रकृति के साथ सबंध बनाना भी तनाव से निकलने का रास्ता हो सकता है। आप अपने मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए थोड़ा वक्त निकाल सकते हैं। उन्होंने

मेन्टल वेलबीग के बारे में विस्तार से बताया। मेन्टल वेलबीन एक ऐसी स्थिति है जिससे आप अपनी स्थिति बदल कर निकल सकते हैं । उन्होंने एक हेल्पलाइन नंबर साझा किया और अपील की कि किसी भी मानसिक तनाव या अवसाद की स्थिति में मदद के लिए मनोरोग विभाग में आयें।

विश्व मानसिक दिवस पर CME

स्त्री रोग विशेषज्ञ स्क्वाडन लीडर डॉ संदीप खण्डारे ने मासिकधर्म के दौरान महिलाओं को होने वाले हार्मोनल और रासायनिक परिवर्तन से होने वाली मानसिक समस्याओं और उसे बारे में बताया और इसे कैसे हैंडल करें और इसके उपचार के बारे में विस्तार से बताया।

स्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ कर्नल डॉक्टर राजेश पांडेय ने तनाव एवं सिरदर्द के विषय में विशेष जानकारी दी। काम के स्थान पर तनाव के असंतुलन को समझाते हुए सरदर्द के लक्षण,पहचान और उपचार के बारे में विस्तार से बताया।

एसएस कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र–छात्राओं ने मानसिक तनाव की चुनौतियों पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नुक्कड़ नाटक करने वाली टीम के सदस्यों को डीन डॉक्टर प्रदीप कसार ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। आभार प्रदर्शन मनोरोग काउंसलर रत्ना जौहरी ने किया।

मनोरोग विभाग में तनाव व मनोरोग पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

10 अक्टूबर

प्रथम पुरस्कार
नेहा भावेदी
बी.एस.सी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष

द्वितीय पुरूस्कार
पूनम भागड़े
बी.एस.सी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष

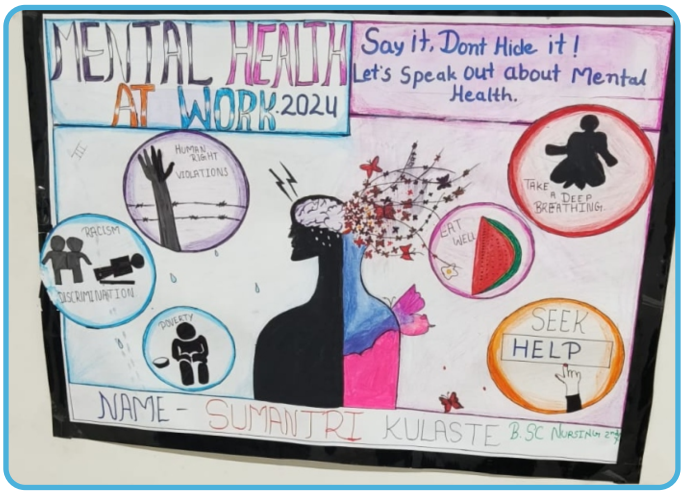

तृतीय पुरूस्कार
सुमत्री कुलस्ते
बी.एस.सी. नर्सिंग द्वितीय वर्ष

पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले
नर्सिंग के छात्र–छात्राएं

नुकड नाटक

मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सुख सागर कॉलेज ऑफ नर्सिंक के छात्र–छात्राओं ने मोबाईल के अतिरिक्त उपयोग से होने वाले मानसिक एवं सामाजिक बदलाओं पर एक नुकड नाटक का प्रदर्शन किया।

IMA-AMS SUPERCON 2024

20 अक्टूबर

डॉक्टरों का सम्मान

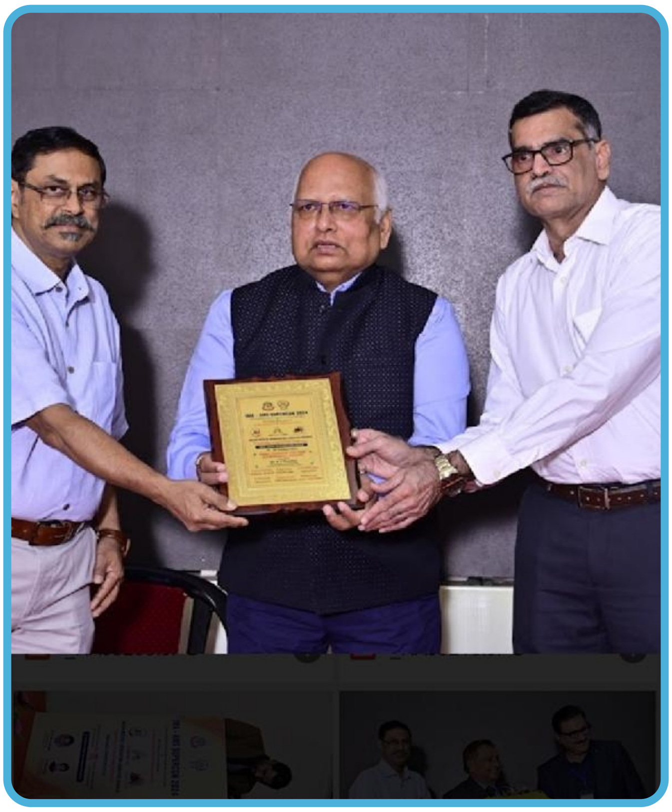

डॉ. एस.पी.पाण्डे को चरक लाइफ टाईम अवार्ड

डॉ. निपुण अग्रवाल को डॉ. हेडगवार साहब राइजिंग स्टार अवार्ड

डॉ. राजू प्रजापति को डॉ. बी.के. राय साहब यंग अचिवर अवार्ड

डॉ. शरद चन्द्रिका को श्री सुश्रुत सतलवाट अवार्ड

26 अक्टूबर

गायन , थाली सजावट एवं दिया मेकिंग प्रतियोगिता

गायन प्रतियोगिता

प्रथम विजेता
यशवंत सिंह

द्वितीय विजेता
साक्षी गुप्ता

तृतीय विजेता
शालनी पटेल

दिया मेकिंग

प्रथम विजेता
मनीषा कुशवाहा

द्वितीय विजेता
दिप्ती जीभकाटे

तृतीय विजेता
रेखा रजक

थाली मेकिंग

प्रथम विजेता
पलक कनौजिया

द्वितीय विजेता
सरोज यादव

तृतीय विजेता
नंदनी विश्वकर्मा

दिया एवं थाली सजावट

26 अक्टूबर

दिया एवं थाली सजावट का निरीक्षण करते हुये निर्णनायक मंडल के सदस्य

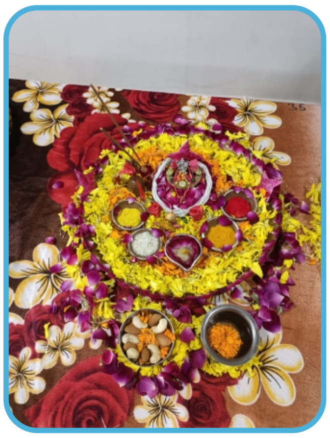

विभागों में डाली गई रंगोली

30 अक्टूबर

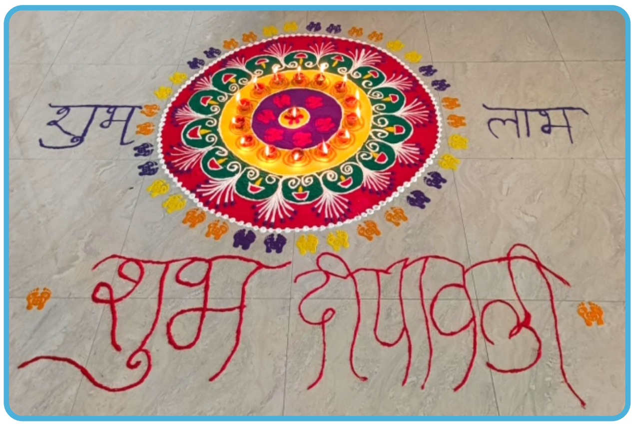

रंगोली

30 अक्टूबर

Biochemistry Department Rangoli
शुभ लाभ

FRONT OFFICE

नेत्र दान महादान

MRD

HAPPY DIWALI

MENTAL HEALTH

शुभ दिवाली

दीपावली पूजन

31 अक्टूबर

ओ.टी. शुभारंभ

31 अक्टूबर

दीपावली के अवसर पर द्वितीय तल पर नये ऑपरेशन थियेटर के शुभारंभ के अवसर पर प्रबंधन SSMCH परिवार के सदस्य

डॉ. सिंघई को राष्ट्रीय चिकित्सा भूषण सम्मान

10 नवम्बर

Recognized by NITI Aayog
Unique ID : BR/2019/0237566
ISO 9001:2015 Certified by Otabu, London, United Kingdom (U.K.)
RCS-B24/MP/20000038
Unique Certificate Number

HUMAN RIGHTS & SOCIAL JUSTICE
RASHTRIYA CHIKITSA SEWA BHUSHAN SAMMAN 2024
Certificate of Honor
NATIONAL AWARD TITLE
This certificate is presented to honor
Dr. Rajesh Kr. Singhal
Assistant Professor
Surgery
Sukh Sagr Medical College, Jabalpur, MP
in recognition & appreciation for your commendable work in the field of medication. You are brilliant from over the years & yours patient treatment Skill is incomparable and magical.
Date : 10 November 2024
Place : Mumbai (Maharashtra)
Auth. Sign.
Mr. ROHIT KUMAR SINGH
National President
HRSJ
NITI Aayog
PUBLIC SURVEY GROUP OF INDIA
लोकनायक

मुम्बई में आयोजित एक समारोह में सुख सागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. राजेश सिंघई को इंडियन डॉक्टर प्राइड अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट कार्य और उपलब्धियों के लिए दिया गया।

कॉलेज भ्रमण-एम.बी.बी.एस. बैच-2024

सूर्या मैराथन में SSMCH के छात्रों की हिस्सेदारी

17 नवम्बर

जबलपुर कैंट में सूर्या मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इसमें सुखसागर मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया । यह दौड़ दो श्रेणियों 5 किलोमीटर और 11 किलोमीटर में आयोजित की गई थी। इसका नेतृत्व कॉलेज के खेल अधिकारी रजनीश शुक्ला ने किया।

A CASE OF DELAYED SERUM SICKNESS POST ASV THERAPY

LT COL (DR) RK PANDEY
Senior Consultant Medicine, SSMCH, Jabalpur

DR SWARNIMA CHAUHAN
MBBS (Intern) SSMCH, Jabalpur

Introduction

Serum sickness is an allergic ailment that follows the administration of an unfamiliar antigenic material, most commonly caused by injecting a protein preparation. It is a type III hypersensitivity reaction mediated by deposits of circulating immune complexes in small vessels, which leads to complement activation and subsequent inflammation. Anti-snake venom (ASV) despite being the only salvage can bring out several acute and delayed adverse effects. Among them, serum sickness is a late manifestation after treatment with ASV that presents after 5–14 days of treatment. However, there is no specific definition to diagnose serum sickness or proven treatment. Poisonous snakebites are an epidemiological problem worldwide, including in India. The mainstay of treatment for venomous snakebites is anti-snake venom (ASV), relying on an antidote to neutralize the venom to achieve detoxification. In the literature, reports of serum sickness following antivenom therapy vary across different settings globally, ranging from 5 to 56%. In India, however, very few cases of serum sickness related to ASV have been reported, even with approximately 3–4 million snakebites victims per year. We report a patient who presented with delayed serum sickness after receiving ASV therapy for snakebite.

Case report

A 20 year old male was bitten by a snake on right foot on 02 Oct 24. Initially he presented to the NSCB Medical College, Jabalpur for treatment. On presentation, his vital signs were stable, although he complained of pain and burning sensation over the bitten foot, associated with vomiting and dizziness. On examination two fang marks were present on right foot with bleeding from the site. Laboratory data were unremarkable. Furthermore, he developed dyspnoea and was put on ventilator support for almost 24 hours. In total, approx 20 vials of ASV were prescribed in the first 3 days due to progressive local swelling and persistent local painful sensation. He then took discharge against medical advice (DAMA) after extubation as he felt alright and resumed his work.

However, he then presented to SSMCH, Jabalpur, 07 days after discharge, with the complaints of fever, pain and swelling in right leg and limited joint movement in multiple joints, especially right knee, and small joints of hand. A diffuse skin rash with multiple erythematous itching

papules and petechiae all over body were also noted. He was provisionally diagnosed as a case of Delayed Serum Sickness resulting from the ASV treatment, and was admitted for further treatment. On investigation all routine tests like CBC and serology were within normal limit. However, mild increase in ESR and CRP level was noticed. The case was managed with steroids, antihistamines, analgesics, antibiotics and IV fluids. The multiple joint pains resolved, rashes and other complaints were also resolved after steroid treatment. The patient was discharged after 5 days.

Discussion

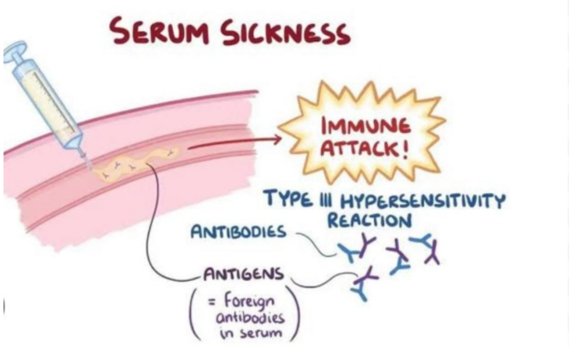

Serum sickness is a type III hypersensitivity reaction, mounted by a large amount of circulating immune complexes after ASV use. These complexes deposit in the blood vessels, kidney, and joints leading to vasculitis, glomerulonephritis and arthritis respectively. The classic symptoms are malaise, rash, fever, arthralgias, and lymphadenopathy that occur within 5–14 days of antigen exposure and sooner if it is a re-exposure. The diagnosis is based on clinical signs and symptoms with supporting laboratory tests that suggest an inflammatory response in the body with increased immune complex production.

Our patient presented with the typical signs and symptoms of serum sickness such as fever, rash, malaise, and polyarthralgias, which occur 1 week after the first exposure to the responsible agent. The laboratory results were also suggestive of inflammation. The patient's symptoms resolved within a week after steroid therapy. Administration of ASV treatment is the most plausible reason to explain the occurrence of serum sickness in this patient.

In India, however, reports of ASV induced serum sickness are rare, even with 3–5 millions snakebite victims per year. This low frequency may be due to the efficacy and dosage of ASV administered to treat snakebites in India. There are only 4 epidemiologically important poisonous snakes and a kind of lyophilized ASV available to cover these snakebites. Each 1 ml of ASV produced can neutralize venoms of Cobra 0.60 mg, Common Krait 0.45 mg, Russell's viper 0.60 mg and Saw-scaled viper 0.45 mg. It is an enzyme-refined sterile preparation of antiserum containing equine immunoglobulin fragments. As it is of equine origin, it is expected to mount all adverse reactions including serum sickness. The patient in this report received a total of 20 vials of ASV due to poor clinical response and eventually presented with symptoms consistent with serum sickness. These cases are an insight into the presentation of serum sickness after snake bite in India. We should keep a high index of suspicion for serum sickness in patients administered ASV and presenting with delayed systemic symptoms. The therapy for serum sickness is primarily supportive to alleviate symptoms using anti-inflammatory medications. Prognosis is good once the inciting agent has been stopped and rarely does one have permanent end-organ damage as a result of serum sickness.

ORAL SUBMUCOUS FIBROSIS DISEASE WITH A TROUBLESOME PRESENT AND A DEADLY FUTURE.

Oral submucous fibrosis is an oral potentially malignant disorder which affects mucosa of the oral cavity due to constant exposure of areca nut commonly called as "SUPARI" available in every household. The complex alkaline substance in areca nut called arecoline causes severe stiffness of normally flexible mucosa especially buccal mucosa leading to decrease in mouth opening and also predisposing the patient to oral malignancies.The Department of maxillofacial head and neck surgery has been continuously managing patients with OSMF and treating them successfully with exceptionally good results.Surgery involves bilateral fibrotomy with coronoidectomy and release of bands from soft palate and reconstruction is done using Biwinged seagull axial pattern nasolabial flap.Anesthesia team has been extremely helpful as intubation for these patients are extremely difficult due to nil mouth opening and their skills have been instrumental in bringing required results.Hereby presenting a patient with absolute zero mm mouth opening during presentation and post surgery 6 months healing.

PRE OPERATIVE MOUTH OPENING

ANESTHESIA TEAM-
DR SHARAD CHANDRIKA
DR DEEPAK HINGWE
DR DEVESH GUPTA
DR PAYASWINEE SHARMA
DR SACHINDRA

SURGICAL TEAM
DR KAVNEET KHANNA
DR PUNIT SINGH DIKHIT

OT TECHNICIAN
AMIT DUBEY
SHAHBAAZ AALAM
KUNDAN

INTRAOP MOUTH OPENING ACHIEVED

SEAGULL BIWINGED NASOLABIAL AXIAL PATTERN FLAP

POSTOPERATIVE FLAP

POST OPERATIVE MOUTH OPENING

FLAP RAISING

27 नवम्बर

SSMCH में सायबर क्राइम जगरूकता पर कार्यशाला

जबलपुर पुलिस की सायबर सेल द्वारा सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के छात्र–छात्राओं एवं स्टॉफ को सायबर अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। सायबर एक्सपर्ट एस.आई. श्री नीरज नेगी ने विभिन्न सायबर अपराधों एवं धोखाधड़ी जैसे डिजिटल अरेस्ट, फेक यूपीआई इत्यादि के बारे में सभी को जागरूक किया और डिजिटल स्पेस में होने वाले अपराधों से सतर्क रहने एवं बचाव के तरीके से अवगत कराया।

बरगी नगर की चौकी प्रभारी सुश्री सरिता पटेल ने छात्रों को महिला आपराध से बचाव एवं रोकधाम के बारे में जागरूक किया।

सी.एस.पी. श्री सुनील नेमा की अध्यक्षता में यह कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर बरगी टी.आई. श्री कमलेश चौरिया सुख सागर के मेडिकल डारेकटर डॉ. डी.पी. लोकवानी, ट्रस्टी डॉ. कवनीत खन्ना, एक्जीक्यूटिव डॉरेक्टर श्री कौस्तुभ वर्मा एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

6kg OVARIAN TUMOR REMOVED

GYNO DEPTT.

Patient sunita bai gound, 43 years female resident of Mandla had lump in abdominal since 1 and 1/2 year and pain in abdomin since 4 months.CECT abdomin revealed large right ovarian cyst an exploratory laparotomy was performed by Dr. Nimisha Sharma (Assistant Professor) and Dr. Anjali (Senior Resident), Anaesthetic Dr. Devesh and Sister Shilpa and Laxmi and removed a 6 kg ovarian tumor. Procedure was successfully. performed and patient was discharge in a healthy condition.

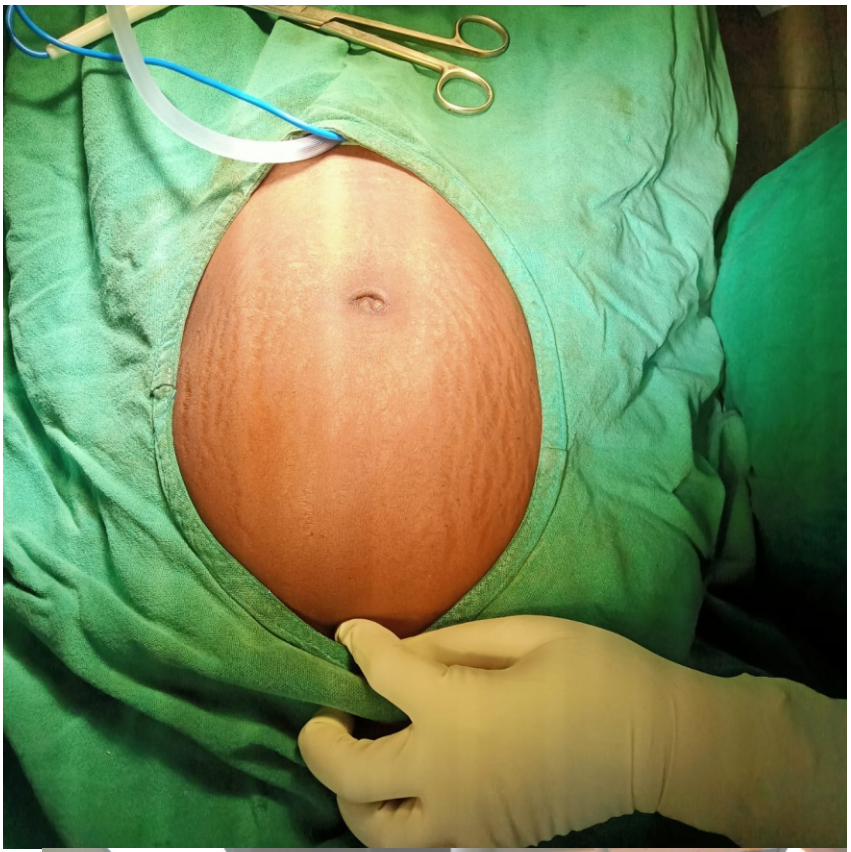

DOCTOR'S

DR NIMISHA SHARMA
DR ANJALI SAHA

OT STAFF

SHILPA RAI (OT TECHNICIAN)
LAXMI SONI (OT TECHNICIAN)
NISHA MEHRA (OT TECHNICIAN)
ARTI KUSHWAHA (OT TECHNICIAN)

NURSE

GYNEC OT INCHARGE
ANKITA YADAV

वॉलीबाल मैच के हाइलाइट्स

24 दिसम्बर

सुख सागर मेडिकल कॉलेज में वॉलीबॉल टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया जिसमें 6 टीमों ने हिस्सा लिया। जिसके 5 छात्र–छात्राओं और डॉक्टरों की टीम थी। सभी टीमों ने खेल भावना और टीमवर्क का उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया।

फाइनल 2021 बैच के छात्रों के बीच खेला गया।

विजेता टीम–अतुल ग्रुप की टीम

उप–विजेता–मनीष पवार की टीम

25 DEC

25 DEC

हैल्थ कैम्प

दिनांक 16 अक्टूबर। आजाद नगर संजय गांधी वार्ड नं. 41, जबलपुर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया ।

दिनांक 24 अक्टूबर। अस्फाकउल्ला खान वार्ड, जबलपुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

दिनांक 7 दिसम्बर
कटंगी मेगा कैम्प, जबलपुर

दिनांक 11 दिसम्बर
झोतेश्वर गोटेगांव कैम्प

दिनांक 16 दिसम्बर
नरगवां गोटेगांव कैम्प

दिनांक 18 दिसम्बर
चंदन खेडा नरसिहंपुर कैम्प

दिनांक 20 दिसम्बर
सेनारी खमरिया गोटेगांव

मेगा स्वास्थ्य शिविर

24 दिसम्बर

जबलपुर के रजा चौक स्थित मुस्लिम बहुल इलाके में मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। जिसमें 435 महिला–पुरूष एवं बच्चों की स्वास्थ्य जाँच की गई। इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्री लखन घनघोरिया ने सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के इस पहल की सहारना करते हुये प्रबंधन, डॉक्टर, सुख सागर की कैम्प टीम एवं नर्सों को धन्यवाद दिया। **SSMCH** की तरफ से श्री संजय शर्मा एवं उनकी टीम ने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

SSMCH के लिये गुणवत्ता ही सर्वोपरि हैं

सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के कार्यशैली के केंद्र में यही भावना है। इसे ध्यान में रखते हुए डॉ कदम ने ऑपरेशन थियेटर के स्टाफ के लिए साप्ताहिक प्रशिक्षण का कार्यक्रम आरंभ किया । जिसकी शुरुआत 12 दिसम्बर को 10 लोगों की ट्रेनिंग के साथ हुई। प्रशिक्षण में शामिल हुये ओ टी स्टाफ ने इसे बहुत उपयोगी और काम की गुणवता सुधारने में सहयोगी बताया ।

@ इस न्यूज़ लेटर में छापे गए सभी चित्र एवं जानकारी अकादमिक उद्देश्य के लिए उपयोग किये गए हैं।

ज्ञानजीत ट्रस्ट के अंतर्गत सुखसागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जबलपुर, मध्यप्रदेश का आंतरिक प्रकाशन, गैर-व्यापारिक उद्देश्य हेतु । प्रधान संपादक - श्री बी.एस.खन्ना। सलाहकार संपादक - श्री रमनदीप खन्ना । मुख्य संपादक - श्री कौस्तुभ वर्मा, सम्पादक-रंजना, विशेष सहयोग - प्रियेश सिंह । ग्राफिक्स डिजाइनर - मो. सोहेल ।

ई-मेल ssmchnewsletter@gmail.com
फोन- संपादक +91 9871900112